



कार्यालय अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
लोक निर्माण विभाग, देहरादून

Office of the Engineer-in-Charge, PWD, Dehradun Uttarakhand

Phone & Fax:- 0135-2530467,253

E-Mail-cepwdua@rediffmail.com

Web- <http://govt.ua.nic.in/pwd>

पत्रांक :- 1404 / 28व्यघ-सा0/14

दिनांक 14/08/2014

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
लोक निर्माण विभाग
उत्तराखण्ड शासन
देहरादून।

विषय:- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यॉंत्रिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों के अधियाचन के प्रेषण के सम्बंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक प्रकरण पर शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यॉंत्रिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों का अधियाचन तैयार कर शासन को प्रेषित किया जा रहा है। प्रेषित अधियाचनों में सिविल/प्राविधिक के पदों में जून/2015 तक की सम्भावित रिक्तियों को सम्मिलित किया गया है, जिनमें कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के 30 पद हैं, जो सामान्य श्रेणी के हैं, 05 पद सेवानिवृत्त एवं 25 पद पदोन्नति से हैं तथा कनिष्ठ अभियन्ता प्राविधिक के 06 पद हैं, जो सामान्य श्रेणी के हैं, जिसमें 01 पद सेवानिवृत्त एवं 05 पद पदोन्नति से हैं, सभी पदों की गणना रोस्टर के अनुसार कर दी गई है, प्रेषित अधियाचन का विवरण निम्नवत् है:-

1. कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	सम्भावित रिक्त पद	कुल रिक्त पद 3+4	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
894	675	219	30	249	शेष 219 पद तथा 30 सम्भावित रिक्त पद = 249 पदों का अधियाचन प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 130 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में सम्मिलित किया गया है।

2. कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	सम्भावित रिक्त पद	कॉलम 3 व 4 का योग	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
47	27	20	06	26	शेष 20 पद तथा 06 सम्भावित रिक्त पद = 26 पदों का अधियाचन प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 08 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में सम्मिलित किया गया है।

3. कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	टिप्पणी
57	47	10	10 पदों का अध्याचन शासन को प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 02 पदों के अध्याचन को भी उपरोक्त अध्याचन में सम्मिलित किया गया है।

4. कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	टिप्पणी
42	33	09	09 पदों का अध्याचन शासन को प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 05 पदों के अध्याचन को भी उपरोक्त अध्याचन में सम्मिलित किया गया है।

अवगत करना है कि पूर्व में प्रेषित इस कार्यालय के पत्र संख्या- 710/28व्यघ-सा0/13 दिनांक 29.7.2013 एवं पत्र संख्या- 718/25व्यघ-सा0/13 दिनांक 31.7.2013 किये गये सिविल/विद्युत/यांत्रिक/प्राविधिक के अध्याचन को भी उपरोक्त अध्याचन में सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रीय राजामार्ग खण्ड चम्बा/श्रीनगर खण्ड हेतु स्वीकृत 12 X 2=24 पदों को भी रिक्त मानते हुए अध्याचन में सम्मिलित किया गया है। ऐसे कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संविदा जिनकी 31.12.2013 को 05 वर्ष की सेवा पूर्ण हो गयी है का शासनादेश दिनांक 31.12.2013 की प्रख्यापित नियमावली के अनुसार विनियमितीकरण की कार्यवाही होनी है, जिनकी संख्या 38 है, जिस हेतु संलग्न अध्याचन में पद रिक्त नहीं छोड़े गये हैं।

संलग्न-कनिष्ठ अभियन्ता (सि0/प्रा0/वि0/यां0)
का अध्याचन ।


 (ललित मोहन)
 प्रभारी प्रमुख अभियन्ता
 13/8

अधियाचन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) कुल स्वीकृत पद - 941 सीधी भर्ती के पद - 894 पदोन्नति के पद @ 5%-47
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शासनादेश सं० 1758/11(1)/11-190 (पी०डब्ल्यू०डी०)/2001 दिनांक 12.12.11, शासनादेश सं० 2795/11(1)/13-190 (पी०डब्ल्यू०डी०)/2001 दिनांक 28.12.2013, शासनादेश सं० 502/11(1)/14-190 (पी०डब्ल्यू०डी०)/2001 टी०सी० दिनांक 19.05.2014, शासनादेश सं० 1288/11(1)/14-190 (पी०डब्ल्यू०डी०)/2001 दिनांक 30.06.2014,
(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 से
(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(i) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(iii) क्या उक्त पद संवर्ग की उक्त संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	941-47*=894 *5% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	675-30**=645 (30**जून 2015 तक सम्भावित रिक्त)
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	219+30** 249/30**जून 2015 तक सम्भावित रिक्त)
(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	249
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	38
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	10
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	25
(4) अनाश्रित अभ्यर्थियों के लिये-	176

(छ) क्या विभाग द्वारा रोलर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियां प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोलर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोलर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हैं, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के हा।सं०-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोलर क्रमांक 1. अनु०जाति का रोलर क्रमांक :- 51,56,61,66,71,76,81,86,93,1,6,11,16,21,26,31,36,41,46,51,56,61,66,71,76,81,86,93,1,6,11,16,21,26,31,36,41,46 2. अनुसूचित जन जाति का रोलर:- 72,96,24,48,72,96,24,48,72,96 3. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोलर क्रमांक:- 19,28,35,42,49,54,63,70,77,84,91,98,7,14,19,28,35,42,49,54,63,70,77,84,91 35
(ज) क्षेत्रीय आरक्षण के सम्बन्ध में अनाक्षिप्त, अनुसूचित जाति, अनु०जन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	-
(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	74
(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	05
(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थी के लिये-	07
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	हैं
(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी निशक्ता या प्रमस्तिकीय अपंगता के लिये-	हैं
टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित चिन्हित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	12
(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की रिक्तियों में अग्रणीत रिक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हैं।
3- क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक	स्थायी।

5- पद का वेतनमान - (बिण्ड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैंड-3 रु 3300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन बैंड-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा अंशदायी पेंशनयुक्त अथवा बिना पेंशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अपेक्षित/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	मार्ग/सेतु/भवन जर्जों का निर्माण / रखरखाव एवं टेक्नीकल कार्य ।
10- चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अपेक्षित/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अर्हताएँ-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमन्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताएँ-	कोई नहीं।
(घ) यदि उक्त किसी हद तक सिविल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएँ भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएँ बताइए-	जी नहीं।
14- पद किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनादेश संख्या- 3295/ 11(1)/07-39 (अधि)/06 दिनांक 22.11.2007
टिप्पणी:- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की पूर्ण प्रतियाँ संलग्न की जाय।	
15- आयु सीमाएँ-	उत्तराखण्ड शासन कार्यालय अनुभाग-2
(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)/2004
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार -
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो दिखाने शासनादेशों/सेवा नियमावली का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है।	भारतीय।

अभ्यर्थी की दैवहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।
18- अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी शर्तों के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उद्भुत हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा उद्भुत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधनता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।
19- अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्सिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हाँ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	अयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।
22- क्या अध्याचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप है? यदि नहीं तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय-	हो, शासनदेश संख्या- 3296/ 11(1)/07-39 (अभि०)/06 दिनांक 22.11.2007

दिनांक

अध्याचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम (प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष)

पद नाम, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड

देहरादून

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना
सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में क्षैतिज आखण के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या -941
सीधी भर्ती के पद-894
पदोन्नति के पद@ 05%-47

क्र.सं.	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30%	विकलांग 3%	भूउपु0 सैनिक 5%	स्व0सं0सै0 आश्रित 2%	योग
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12
1	अनारक्षित 63 %	563	417-30**=387	146+30**=176	53	5	9	4	71
2	अनुसूचित जाति 19%	170	132	38	11	1	2	1	15
3	अनुसूचित ज-जजा0 04%	36	26	10	3	-	-	-	3
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	125	100	25	7	1	1	-	9
	योग	894	645	249	74	7	12	5	98

नोट-** जून 2015 तक की 30 सम्भावित रिक्तियों को अधियाचन में सम्मिलित किया गया है ।

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड
देहरादून
1312

अध्यायन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) कुल स्वीकृत पद- 94 सीधी भर्ती के पद- 47 पदोन्नति के पद @ 50%- 47
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शासनदेश संख्या-1768/11(I)/11-190 (पी0डब्ल्यूडी0)/2001 दिनांक 12.12.11, शासनदेशसं01268/11(I)/14-190 (पी0डब्ल्यूडी0)/2001 दिनांक 30.06.2014.
(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2011 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	वर्ष 2011 से
(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(I) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
(II) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अधीनस्थ अनियन्त्रण सेवा।
(III) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	94-47*=47 *50% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं0-	27 -6**=21 (6**जून 2015 तक सम्भावित रिक्ति)
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं0-	20+6**=26 (*जून 2015 तक सम्भावित रिक्ति)
(च) भरे जाने वाले पदों की सं0-	26
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु0जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	03
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु0जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	-
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	03
(4) अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये-	20
(छ) क्या विभाग द्वारा रोलर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तिया प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोलर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोलर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हाँ, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासं0-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोलर क्रमांक 1. अनुसूचित जाति का रोलर क्रमांक :- 31,41,46 2. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोलर क्रमांक :- 35,42,49
(ज) क्षेत्रीय आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनु0जन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	
(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	08
(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वातंत्रता संग्राम सेनानों के अभित, अनुसूचित, के लिये-	-
(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थों के लिये-	1

नता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
वर्ग द्वारा से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	हाँ
प्रत्येक अभ्यर्थी निःशुल्क या प्रमत्तकीय अपंगता के लिये-	हाँ
शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उच्च श्रेणी से सम्बन्धित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिकांसी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	01
(5) उत्तराखण्ड के अधिकांसी विशेष खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिकांसी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की शक्तियों में अग्रणीत शक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हाँ।
3- क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह कब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (बैंड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैंड-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन बैंड-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा अंशदायी पेंशनयुक्त अथवा बिन पेंशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अपेय/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	मार्ग/सेतु/भवन कार्य का निर्माण/स्वरक्षा एवं टैक्नीकल कार्य।
10- चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्रावधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अपेय/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे कि शुल्क आवास, रेशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अर्हताएँ-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमन्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर लोधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अतिमान दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताएँ-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएँ भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएँ बताइए-	
14- पद किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनादेश संख्या- 3295/11(1)/07-39 (अधि)/06 दिनांक 22.11.2007
टिप्पणी- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की पूर्ण प्रतियाँ संलग्न की जाय।	
15- आयु सीमाएँ-	

आयु सीमाएँ-	उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2
(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)2004
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलीयों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX(2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX(2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अभ्यर्थी की राष्ट्रियता क्या अपेक्षित है-	भारतीय।
17- अभ्यर्थी की वैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समझान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18- अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	लोधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्त प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होगा।
19- अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्सकिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हाँ, तो क्या उनके पास में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।
22- क्या अध्याचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय-	हाँ, शासनादेश संख्या- 3295/11(1)/07-39 (अधि0)/06 दिनांक 22.11.2007

दिनांक

अध्याचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम ()

पद नाम

मुख्य अभियन्ता एवं निरीक्षणकर्ता
उत्तराखण्ड विभाग, उत्तराखण्ड
देहरादून

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना

सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में क्षैतिज आरक्षण के पदों की संख्या -94
कुल स्वीकृत पदों की संख्या -94
सीधी भर्ती के पद-47
पदोन्नति के पद@ 50%-47

क्र०सं	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30%	विकलांग 3%	भू0पु0 सैनिक 5%	स्व0सं0सौ0 आश्रित 2%	योग
0									
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12
1	अनाश्रित 63 %	29	15-6**=9	14+6=20	6	1	1	-	8
2	अनुसूचित जाति 19%	9	6	3	1	-	-	-	1
3	अनुसूचित जनजाति 04%	2	2	-	-	-	-	-	-
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	7	4	3	1	-	-	-	1
	योग	47	21	26	8	1	1	-	10

नोट-** जून 2015 तक की 06 सम्भावित रिक्तियों को अधिप्राप्तन में सम्मिलित किया गया है

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड
देहरादून

अध्यायन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अनियन्ता (यॉत्रिक) कुल स्वीकृत पद- (60) सीधी भर्ती के पद- (57) पदोन्नति के पद - 5% (3)
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिवल हुआ-	शासनार्देश सं० 1758/111(I)/11-190 (पीओडब्ल्यूडीओ)/2001 दिनांक 12.12.11, द्वारा सृजित
(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अनियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है। वर्ष 2013 से
(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	
(3) क्या उनकी स्थानांतरण नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जायें जिससे आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(i) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(iii) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	60-3*=57 *5% प्रतिशत कोटे के अर्थात्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	47
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	
(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	10
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	10
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	2
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	-
(4) अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये-	1
(छ) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियाँ प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में मिलाता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हाँ, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के सं०सं०-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर क्रमांक 1. अनु०जाति का रोस्टर क्रमांक :- 46.51 2. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोस्टर क्रमांक:-54
(ज) शैतिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनु०जन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	-
(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	
(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अश्रित अभ्यर्थी के लिये-	03
(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से दिवंगत अभ्यर्थी के लिये-	-
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी नि:शक्ता या प्रगतिशील अपंगता के लिये-	-

के लिये-	
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थों के लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थों के लिये-	हाँ
(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी निहकता या प्रमस्तिजीय अपंगता के लिये-	हाँ
टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित चिन्तित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	-
(5) उत्तराखण्ड के अधिकारी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके अश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला इ शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की स्थितियों में अग्रेनीत स्थितियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हाँ।
3- क्या पद राजनव्रित है या अराजनव्रित	अराजनव्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (बैण्ड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैण्ड-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4800 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन बैण्ड-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4800 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा असादायी पेंशनयुक्त अथवा बिना पेंशन का-	शासनदेश संख्या 21/XXVII (7)अपे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परिवीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	मयनों के विद्युतीकरण के कार्य
10- चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनदेश संख्या 21/XXVII (7)अपे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अर्हताएँ-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन विद्युत इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमान्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय क्रेडिट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताएँ-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएँ भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएँ बताइए-	
14- पद किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनदेश संख्या- 3295/111(1)/07-39 (अधि)/06 दिनांक 22.11.2007

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना

सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) के विभिन्न श्रेणीयो के रिक्त पदों में क्षैतिज आरक्षण के पदो की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या -60 सीधी भर्ती

सीधी भर्ती के पद- 57

पदोन्नति के पद@ 5% - 3

क्र०सं०	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30%	विकलांग 3%	भूपु० सैनिक 5%	स्व०सं०सौ० आश्रित 2%	योग
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12
1	अनास्थिता 63 %	36	29	7	2	-	-	-	2
2	अनुसूचित जाति 19%	11	9	2	1	-	-	-	1
3									
	अनुसूचित ज०जाति 0 04%	2	2	-	-	-	-	-	-
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	8	7	1	-	-	-	-	-
	योग	57	47	10	3	-	-	-	3

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
लोक-निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड
देहरादून

अध्याचन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) कुल स्वीकृत पद- (44) सीधी भर्ती के पद-(42) पदोन्नति के पद - 5% (02)
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शासनादेश सं० 1768/11(1)/11-190 (पी०डब्ल्यू०डी०)/2001 दिनांक 12.12.11, द्वारा सृजित
(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2004 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	वर्ष 2004 एवं 2013 से
(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(i) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(iii) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	44-02*=42 *5% प्रतिशत कोटे के अर्न्तगत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	33
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	09
(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	09
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	02
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	-
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	01
(4) अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये-	06
(छ) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियाँ प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में विनियत होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हाँ, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शा०सं०-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर क्रमांक 1. अनु०जाति का रोस्टर क्रमांक :- 41
(ज) क्षैतिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनु०जन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	
(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	02
(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से दिवंगत अभ्यर्थी	-

के लिये-	
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	हाँ
(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी निश्चक्ता या प्रमस्तिर्नीय अंगरता के लिये-	हाँ
टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणों से सम्बन्धित चिन्हित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	-
(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशेष खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके अश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की रक्तियों में अंग्रेजीत रक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हाँ।
3- क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (बैण्ड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैण्ड-3 रु0 9300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन बैण्ड-3 रु0 9300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा अंशदायी पेंशनयुक्त अथवा बिना पेंशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0पे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परिवीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	भवनों के विद्युतीकरण के कार्य
10- चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	निर्दिष्ट के एक माह के अन्दर। -
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0पे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि. शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जो नहीं।
13- अपेक्षित अर्हताएँ-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन विद्युत इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमन्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय क्रेडिट कोर का 'बी0' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सकलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताएं-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएं भी स्वीकार की जाएँगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएं बताइए-	
14- पद किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनादेश संख्या- 3295/11(1)/07-39 (अपि0)/06 दिनांक 22.11.2007
टिप्पणी:- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की	

पूर्ण प्रतियों संलग्न की जाय।	
15- आयु सीमाएं-	उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2
(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)/2004
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलीयों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है-	भारतीय।
17- अभ्यर्थी की दैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हो या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राज्यनाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18- अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सोधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।
19- अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र हैं, यदि हाँ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।
22- क्या अध्याचन में दिए गए शिक्का पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय-	हाँ, शासनादेश संख्या- 3295/।।।(1)/07-39 (अधि0)/06 दिनांक 22.11.2007

दिनांक

अध्याचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम (

पद नाम

उत्तराखण्ड शासन कार्मिक विभाग

देहरादून

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना
सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में क्षैतिज आस्थापन के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या -44 सीधी
सीधी भर्ती के पद - 42
पदोन्नति के पद @ 5% - 2

क्र.सं.	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30%	विकलांग 3%	गुजरा सैनिक 5%	स्वतंत्र 2%	योग
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12
1	अनारिक्त 63 %	26	20	6	2	-	-	-	2
2	अनुसूचित जाति 19%	8	6	2	-	-	-	-	-
3	अनुसूचित जाति 04%	2	2	-	-	-	-	-	-
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	6	5	1	-	-	-	-	-
	योग	42	33	9	2	-	-	-	2

प्रमुख अभियन्ता (विद्युत) विभाग, अन्तर्गत
मुख्य अभियन्ता (विद्युत) विभाग, अन्तर्गत
मुख्य अभियन्ता (विद्युत) विभाग, अन्तर्गत



कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग
"व्यवस्थापन 'घ' वर्ग" उत्तराखण्ड देहरादून



OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF, P.W.D., DEHRADUN, UTTARAKHAND

Website-<http://pwd.uk.gov.in>E-Mail-ecpwwd/uk@nic.in

पत्रांक: 2333/28 व्यघ-सामान्य/15

दिनांक 19 /12/2015

सेवा में,

सचिव,
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

विषय:- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों के अधिवाचन के प्रेषण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक इस कार्यालय के पत्र संख्या-1404/28 व्यघ-सा0/14 दिनांक 14.08.14 के द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के सीधी भर्ती का अधिवाचन जो शासन के पत्र संख्या-1577/111(1)/13-131(अधि0)/06 दिनांक 21.08.2014 से आयोग को प्रेषित किया गया है के सम्बन्ध में अवगत कराना है, कि वर्तमान में शासनादेश संख्या- 1813/111(1)/15-190(PWD)/2001 दिनांक 15.12.15 के द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के पूर्व में सृजित पदों की संख्या में 05 एमजी0एस0वाई0 हेतु स्वीकृत पदों को घटाकर एवं 11 नव सृजित पद स्वीकृत किये गये हैं। इस प्रकार वर्तमान में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के कुल 888 स्वीकृत पद हो गये हैं। उक्त 888 पदों में 05 प्रतिशत पदोन्नति के पदों को घटाकर सीधी भर्ती के 844 पद स्वीकृत है। पूर्व में स्वीकृत सीधी भर्ती के 924 पदों के सापेक्ष वर्तमान में उपरोक्त शासनादेश दिनांक 15.12.15 से सीधी भर्ती में 844 पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप इस कार्यालय के पत्र दिनांक 14.08.14 से आधिक्य पद का अधिवाचन प्रेषित किया गया, जिसमें भरे पदों में सम्बन्धित अम्बथी जिस आरक्षित वर्ग का है उसे उसी श्रेणी में दर्शाया गया, परन्तु अब जो संशोधित अधिवाचन प्रेषित किया जा रहा है, उसमें सम्बन्धित अम्बथी का लोक सेवा आयोग से जिस श्रेणी में चयन हुआ है, उसे उसी श्रेणी में रखते हुए भरे पद में दर्शाया गया है। अर्थात् यदि अन्य पिछड़ा वर्ग के अम्बथी का चयन सामान्य पदों के सापेक्ष हुआ है तो उसे सामान्य श्रेणी में रखा गया है ना कि अन्य पिछड़ा वर्ग में।

वर्तमान में ऐसे 38 कनिष्ठ अभियन्ता संविदा भी कार्यरत है। जो विनियमितकरण नियमवली 2013 से अच्छादित है, जिनके विनियमितकरण की कार्यवाही भी गतिमान है। पूर्व में प्रेषित किये गये अधिवाचन में इन कर्मियों के लिए भी पद नहीं छोड़े गये थे।

उपरोक्त स्थिति के अनुसार यदि आयोग को प्रेषित अधिवाचन में पदों को घटाया नहीं जाता है तो आयोग से चयनोपरान्त कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के सीधी भर्ती के स्वीकृत पदों के सापेक्ष आधिक्य कनिष्ठ अभियन्ता कार्यरत हो जायेंगे।

पूर्व में प्रेषित अधिवाचन के कम में वर्तमान में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के स्वीकृत 844 पदों के सापेक्ष सीधी भर्ती के श्रेणीवार रिक्त पदों का संशोधित अधिवाचन शासन को संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

अतः शासन से अनुरोध है कि उक्त अधिवाचन को आयोग को प्रेषित करने का कष्ट करें, ताकि विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष आधिक्य कनिष्ठ अभियन्ता कार्यरत न हो सके।

संलग्न:- अधिवाचन।

(आरक्षित पुरोहित)

मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) कुल स्वीकृत पद - 888 सीधी भर्ती के पद - 844 पदोन्नति के पद @ 5%-44
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शासनादेश सं० 1813/111(0)/15-19-190(पी0डब्ल्यू0डी0)/2001 दिनांक 15.12.15
(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 से
(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(i) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(iii) क्या उक्त पद संलग्न की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	888-44*-844 *5% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	646+35=684
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	160
(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	160
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	33
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	07
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	47
(4) अनाश्रित अभ्यर्थियों के लिये-	73
(घ) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियाँ प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हाँ, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शा०सं०-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर क्रमांक 1. अनु०जाति का रोस्टर क्रमांक :- 41, 48, 51, 56, 61, 66, 71, 76, 1, 6, 11, 16, 21, 26, 31, 36, 41, 46, 51, 56, 61, 66, 71, 76, 1, 6, 11, 16, 21, 26, 31, 36, 41 2. अनुसूचित जन जाति का रोस्टर-24, 48, 72, 96, 24, 48, 72 3. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोस्टर क्रमांक- 98, 7, 14, 19, 28, 35, 42, 49, 54, 63, 70, 77, 84, 91, 98, 7, 14, 19, 28, 35, 42, 49, 54, 63, 70, 77, 84, 91, 98, 7, 14, 19, 28

आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का निम्न प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार जाये-	
(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	48
(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	03
(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थी के लिये-	18
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	हो
(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी निशक्ता या प्रमस्तिकीय अरंगता के लिये-	हो
टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित चिन्हित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	8
(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की रिक्तियों में अश्रेणीत रिक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हो।
3- क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (बैण्ड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैण्ड-2 रु0 9300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते। वेतन बैण्ड-2 रु0 9300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हो, तो किस हद तक-	रु0 9300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा अशदायी पेंशनयुक्त अथवा बिना पेंशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0पे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परिवर्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	भार्ग/सेतु/भवन कार्य का निर्माण/रखरखाव एवं टेक्नीकल कार्य। नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
10- चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0पे0यो0/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अर्हताएँ-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमन्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के सम्मेल होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अग्रिमता दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय कैंडिड कोर का बी0 प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताएँ-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो यह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएँ भी स्वीकार की जाएंगी, यदि हो, तो समकक्ष अर्हताएँ बताइए-	जी नहीं।

किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनादेश संख्या- 3295/11(1)/07-39 (अधि0)/06 दिनांक 22.11.2007
सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी पूर्ण प्रतियाँ संलग्न की जाय।	
आयु सीमाये-	उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2
(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)2004
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार -
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है।	भारतीय।
17- अभ्यर्थी की वैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।
18- अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदभ्युक्त व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।
19- अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वरूपता प्रमाण पत्र
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हाँ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।
22- क्या अधियाचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय-	हाँ शासनादेश संख्या- 3295/11(1)/07-39 (अधि0)/06 दिनांक 22.11.2007

अधियाचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

19/11

पूरा नाम- (आर0सी0 पुरोहित)

पद नाम-मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)



कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग
"व्यवस्थापन 'घ' वर्ग" उत्तराखण्ड देहरादून



OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF, P.W.D.,
DEHRADUN, UTTARAKHAND

Website-<http://pwd.uk.gov.in>

E-Mail-eicpwduk@nic.in

"प्रमाण- पत्र"

प्रमाणित किया जाता है कि पुर्नगठन शासनादेश संख्या- 1813/111(1)/15-190(PWD)/2001 दिनांक 15.12.15 से कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के 888 पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप पूर्व में इस कार्यालय के पत्र संख्या- 1404/28 व्यघ-सा0/14 दिनांक 14.08.14 से प्रेषित रिक्त 249 पदों के अधियायन को संशोधित करते हुए रिक्त 160 पदों का श्रेणीवार ऊर्ध्व/क्षैतीज आरक्षण के अन्तर्गत तैयार किया गया उक्त अधियायन विभाग में कार्यरत कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के श्रेणीवार पदों के सापेक्ष रिक्त पदों के आधार पर तैयार किया गया है। जिसमें 38 पद श्रेणीवार सविदा पर कार्यरत कनिष्ठ अभियन्ता सविदा के लिए भी छोड़े गये जो कार्यरत में सम्मिलित है।

(आर०सी० पुरोहित)

मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)

19/12

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना

सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में दैतिज आक्षण के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या- 888

सीधी भर्ती के पद-844

पदोन्नति के @05%-44

क्र.सं.	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	रिक्त पदों में से विनियमितकरण किये जाने हेतु छोड़े गये पद	कुल अवशेष रिक्त पद	महिला 30 %	विकलांग 3 %	भौग. सैनिक 5 %	स्वतंत्र 2 %	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	अनास्थित 63 %	532	431	101	28	73	22	8 (अनास्थित) + 2 (वैध रिक्त) = 10	4	1	37
2	अनुसूचित जाति 19 %	160	122	38	5	33	10	3 (अनास्थित) + 1 (वैध रिक्त) = 4	2	1	17
3	अनुसूचित जनजाति 04 %	34	24	10	3	7	2	1 (अनास्थित)	-	-	3
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	118	69	49	2	47	14	2 (अनास्थित) + 1 (वैध रिक्त) = 3	2	1	20
	योग	844	646	198	38	160	48	18	8	3	77

नोट-1. कॉलम संख्या- 6 में जो पद छोड़े गये हैं उन पदों पर विनियमितकरण की कार्यवाही नसिम है।

2. पूर्व में स्वीकृत पदों के समेत दैतिज आक्षण के अन्तर्गत विकलांग कोटे के घटित रिक्तियों को अर्जनित करते हुए अभियान में सम्मिलित किया है।

19/12/22

(आरसीओ पुरोहित)

मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)

लोक निर्माण विभाग

17/12


पत्रांक:- 537/28 व्यघ-सा0/16
सेवा में,

दिनांक 13/04/2016

सचिव,
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

विषय:- लोक सेवा आयोग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों के अध्यायन के प्रेषण के सम्बन्ध में।
सन्दर्भ:- अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन, लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या- 1711/111 (1)/15 -56(अधि0)/2008 दिनांक 21.11.2015
महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करे, जिसके द्वारा कार्मिक विभाग के पत्र संख्या 462/XXX (2)03(11)/15 दिनांक 17.11.15 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए उक्त पत्र में उल्लेखित निर्देशों के क्रम में समूह 'ख' तथा समूह 'ग' के अन्तर्गत रिक्तियों तथा 02 वर्ष के अन्दर घटित होने वाली सीधी भर्ती की रिक्तियों को आगणित करते हुए रिक्तियों का अध्यायन तैयार कर चयन संस्था/शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या- 1404/28व्यघ-सा0/14 दिनांक 14.08.14 द्वारा पूर्व में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यांत्रिक) का सीधी भर्ती के रिक्त पदों का अध्यायन शासन को प्रेषित किया गया था, जो कि शासन के पत्र संख्या- 1577/111(1)13-131(अधि0)/06 दिनांक 21.08.2014 से आयोग को भी प्रेषित किया जा चुका है।

शासनादेश संख्या- 245/111(1)/13-190 (PWD) / 2001, दिनांक 28.02.2015, 1399/111(1)/15 - 190 (PWD) 2001, टी0सी0 दिनांक 23.09.2015 एवं शासनादेश संख्या- 1813/111(1)/15-190 (PWD) / 2001 दिनांक 15.12.2015 एवं से कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के 18 अतिरिक्त पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के वर्तमान में कुल 112 पद स्वीकृत है। जिसमें से 50 प्रतिशत पदोन्नति हेतु कोटे के है एवं 50 प्रतिशत सीधी भर्ती के है। अगामी 02 वर्षों में सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/ यांत्रिक) पदों में कोई घटित रिक्तियां नहीं है।

अतः उक्त सन्दर्भित शासनादेशों द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के अतिरिक्त पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप सीधी भर्ती के 09 पदों का अध्यायन प्रपत्र-1 एवं कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यांत्रिक) सेवानियमावली 2007 की छायाप्रति संलग्न कर लोक सेवा आयोग को भेजे जाने हेतु प्रेषित है।

संलग्न:- 1. अध्यायन
2. सेवा नियमावली, 2007 की छायाप्रति

(एच0के0 उप्रेती)
प्रमुख अभियन्ता

21/4/16

अधियाचन प्रपत्र-1

1	(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) कुल स्वीकृत पद- 112 सीधी भर्ती के पद- 56 पदोन्नति के पद @ 50%- 56
	(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हाँ तो यह पद कब सृजित किया गया था- यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शासनादेश संख्या-245/III(1)/13-190 (पी0डब्लू0डी0) / 2001, दिनांक 28.02.2015, 1399/III(1)/15-190 (पी0डब्लू0डी0) 2001, टी0सी0 दिनांक 23.09.2015, शासनादेश संख्या- 1288/III(1)/14-190 (पी0डब्लू0डी0) 2001 टी0सी0 दिनांक 30.06.2014 एवं शासनादेश संख्या- 1813 /III (1)/15-19 -190 (पी0डब्लू0डी0) / 2001 दिनांक 15.12.2015
	(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी हाँ, वर्ष 2011 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से घयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
	(2) यदि हाँ, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	वर्ष 2011 से
	(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हाँ तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये-	उपरोक्तानुसार
	(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियाँ बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
	(i) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हाँ।
	(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	अदीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
	(iii) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	जी हाँ।
	(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	112-56*=56 *50% प्रतिशत कोटे के अर्न्तगत पदोन्नति के पद
	(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	21
	(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	26* + 9=35 26* पदों का अधियाचन पूर्व में माह 08/14 को आयोग को भेजा गया है।
	(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	9
	(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जाति के अभ्यर्थियों के लिये-	2
	(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनु०जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	-
	(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	3

	(4) अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये-	4
	(ग) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तिया प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर क्रमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हाँ, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शा0सं0-1454/कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर क्रमांक 1. सामान्य का रोस्टर क्रमांक:- 52, 53, 55, 57 2. अनुसूचित जाति का रोस्टर क्रमांक :- 51,56 3. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोस्टर क्रमांक :- 54, 63, 70
	(ज) क्षैतिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूजन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	-
	(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-	3
	(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	1
	(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थी के लिये-	0
	(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
	(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-	-
	(ग) चलनक्रिया सम्बन्धी निःशक्ता या प्रमस्तिकीय अपंगता के लिये-	-
	टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित विन्हित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
	(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-	2
	(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये-	-
	(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये-	-
2	क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थियों की रिक्तियों में अग्रणीत रिक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हाँ।
3	क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4	क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।

5	पद का वेतनमान - (बैण्ड वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन बैण्ड-3 रु० 9300-34800+ ग्रेड पे रु० 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6	क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन बैण्ड-3 रु० 9300-34800+ ग्रेड पे रु० 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7	क्या पद पेंशनयुक्त है अथवा अंशदायी पेंशनयुक्त अथवा बिना पेंशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०पे०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8	परिवीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9	पद के कर्तव्य-	मार्ग/सेतु/भवन कार्यों का निर्माण/रखरखाव एवं टैक्नीकल कार्य।
10	चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11	क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०पे०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12	कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13	अपेक्षित अर्हताएँ-	
	(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
	(ख) अधिमान्य अर्हताएँ यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने- (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण
	(ग) कोई अन्य अर्हताएं-	कोई नहीं।
	(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
	(ङ) क्या समकक्ष अर्हताएं भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएं बताइए-	जी नहीं।
14	पद किस सेवा नियमावली से आच्छादित है-	शासनादेश संख्या- 3295/111(1)/07-39 (अधि०)/06 दिनांक 22.11.2007
	टिप्पणी:- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की पूर्ण प्रतियाँ संलग्न की जाय।	
15	आयु सीमाएँ-	उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2
	(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)2004
	(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के-

	(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
	(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16	अभ्यर्थी की राष्ट्रियता क्या अपेक्षित है-	भारतीय।
17	अभ्यर्थी की वैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हो या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो: परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18	अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदव्युक्त व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।
19	अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20	क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21	क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हाँ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।

22	क्या अध्याचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय-	हॉ, शासनादेश संख्या- 3295 / टी।।(१)/०७-३९ (अधि०)/०६ दिनांक 22.11.2007
----	--	---

अध्याचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम- (एच०के० उप्रेती)
पद नाम-प्रमुख अभियन्ता

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना

सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में दैनिक आरक्षण के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या- 112
सीधी भर्ती के पद-56
पदोन्नति के @50%-56

क्र० सं०	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30 %	विकलांग 3 %	भूतपूर्व सैनिक 5 %	स्वतंत्र संसिद्ध आश्रित 2 %	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनास्थित 63 %	35	11	04	01	-	01	-	02
2	अनुसूचित जाति 19 %	11	06	02	01	-	01	-	02
3	अनुसूचित जनजाति 04 %	02	02	-	-	-	-	-	-
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	08	02	03	01	-	-	01	02
	योग	56	21	09	03	-	02	01	06

(एच०के० उपरी)

प्रमुख अभियन्ता



कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग
"व्यवस्थापन 'घ' वर्ग" उत्तराखण्ड देहरादून

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF, P.W.D., DEHRADUN, UTTARAKHAND

Website-<http://pwd.uk.gov.in>

E-Mail-eicpwduk@nic.in

पत्रांक:- 634/28 व्यघ-सा0/16
सेवा में,

दिनांक 06 / 05 / 2016

उप सचिव,
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

विषय:- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के प्रेषित संशोधित अधियाचन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कार्मिक विभाग के पत्र संख्या- 112/XXX (2) 2016 दिनांक 04.05.2016 द्वारा सचिव कार्मिक की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में दिनांक 04.05.16 को हुई बैठक के कम में शासन द्वारा इस कार्यालय के पत्र संख्या- 556/28 व्यघ-16 दिनांक 19.04.16 से कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के संशोधित अधियाचन में प्रेषित की गई सूचना को पुनः संशोधित कर उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त कम में अवगत कराना है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या- 1404 /28 व्यघ-14 दिनांक 14.08.14 से कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के सीधी भर्ती का 249 पदों का अधियाचन प्रेषित किया गया, जिन्हें भरे जाने हेतु लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित प्रकाशित की गई, किन्तु वर्ष 2015 में विभागीय पदों का पुर्नगठन होने के फलस्वरूप कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के पूर्व में स्वीकृत 941 पदों में कटौती करते हुए 888 पद स्वीकृत किये गये। पदों के कम होने के फलस्वरूप इस कार्यालय के पत्र संख्या- 2333/28 व्यघ-सा0/15 दिनांक 19.12.15 द्वारा 160 पदों का संशोधित अधियाचन प्रेषित किया गया। पूर्व में दिनांक 14.08.14 से प्रेषित अधियाचन में विकलांग कोटे की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण क्षैतीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग श्रेणी में उनकी उपश्रेणी का अधियाचन त्रुटिवश नहीं भेजा गया, किन्तु संशोधित अधियाचन में क्षैतीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग श्रेणी में उपश्रेणी को भी सम्मिलित किया गया।

आयोग के पत्र दिनांक 19.03.16 से स्पष्ट किया है कि आयोग द्वारा प्रकाशित विज्ञापनों में सम्मिलित श्रेणी/ उपश्रेणी में ही पदों को घटाया/ बढ़ाया जा सकता है। तथा जिन श्रेणियों / उप श्रेणियों के पद विज्ञापित नहीं हुए हैं। उन श्रेणियों के पदों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। चूंकि संशोधित अधियाचन में विकलांग के पदों की श्रेणी/ उपश्रेणी प्रेषित की गई है तथा पूर्व में दिनांक 14.08.14 से प्रेषित अधियाचन में उपरोक्तानुसार स्थिति नहीं भेजी गई थी।

अतः 160 पदों का संशोधित अधियाचन में क्षैतीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग कोटे के सम्मिलित पदों को विज्ञापित प्रकाशित न होने के कारण अनुसूचित जाति श्रवण हास उपश्रेणी PD 03 पद, अनुसूचित जनजाति श्रवण हास उपश्रेणी PD 01 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग चलन किया उपश्रेणी OA 01 के पदों को छोड़ते हुए शेष पदों पर चयन कर लिया जाय।

उक्त रोकें गये पदों को आगामी अधियाचन में सम्मिलित कर लिया जायेगा। विकलांग श्रेणी में उपश्रेणी ओ0ए0/ओ0एल के पदों को चिन्हित कर सारणी संलग्न है।

अतः शासन से अनुरोध है कि तदनुसार आयोग को अग्रेत्तर कार्यवाही करने हेतु सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्न:- यथोक्त।

(आरोसी0 पुरोहित)

मुख्य अभियन्ता स्तर-1 (मु0)

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में क्षैतिज आरक्षण / विकलांग जन के श्रेणी सहित पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या- 888
सीधी भर्ती के पद-844
पदोन्नति के @05%-44

क्र.सं.	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	आवश्यक रिक्त पद	रिक्त पदों में से विभिन्न श्रेणीयों के लिए जाने हेतु छोड़ दिये गये पद	कुल अवशेष रिक्त पद	महिला 30 %	विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)	शुद्ध शैक्षणिक 5 %	स्वतंत्रता सेनानी 2 %	योग	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	अनुसूचित 63 %	532	431	101	28	73	22	8 (अनुसूचित) +2 (घटित स्थिति) = 10 (श्रेणी (PD) खण्ड द्वारा- 7 पद) (श्रेणी (OL)=1 पद) (श्रेणी (OA)=2 पद)	4	1	37	
2	अनुसूचित जाति 19 %	160	122	38	5	33	10	3 (अनुसूचित) +1 (घटित स्थिति) = 4 (श्रेणी (PD) खण्ड द्वारा- 3 पद) (श्रेणी (OA)=1 पद)	2	1	17	विकलांग श्रेणी जन में उपश्रेणी PD के 03 पद की विद्युति प्रकाशित न होने के कारण वर्तमान में पदों में सम्मिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिप्राप्त में सम्मिलित कर लिया जायेगा।
3	अनुसूचित जनजाति 04 %	34	24	10	3	7	2	1 (अनुसूचित) (श्रेणी (PD) खण्ड द्वारा-1 पद)	-	-	3	विकलांग श्रेणी जन में उपश्रेणी PD के 01 पद की विद्युति प्रकाशित न होने के कारण वर्तमान में पदों में सम्मिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिप्राप्त में सम्मिलित कर लिया जायेगा।
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	118	69	49	2	47	14	2 (अनुसूचित) +1 (घटित स्थिति) =3 (श्रेणी (PD) खण्ड द्वारा-2 पद) (श्रेणी (OA) -1 पद)	2	1	20	विकलांग श्रेणी जन में उपश्रेणी OA के 01 पद की विद्युति प्रकाशित न होने के कारण वर्तमान में पदों में सम्मिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिप्राप्त में सम्मिलित कर लिया जायेगा।
	योग	844	646	198	38	160	48	18	8	3	77	


 आर.सी.ओ. पुरोहित
 मुख्य अभियन्ता स्तर-1 (मु0)